

μος· πῶς δύναται ἄνθρωπος γεννηθῆναι γέρων ὢν; μὴ δύναται εἰς τὴν κοιλίαν τῆς μητρὸς αὐτοῦ δεύτερον εἰσελθεῖν καὶ γεννηθῆναι; **5** ἀπεκρίθη ὁ Ἰησοῦς· ἀμὴν ἀμὴν λέγω σοι, ἐὰν μὴ τις γεννηθῇ ἐξ ὕδατος καὶ πνεύματος, οὐ δύναται εἰσελθεῖν εἰς τὴν βασιλείαν τοῦ θεοῦ. **6** τὸ γεγεννημένον ἐκ τῆς σαρκὸς σὰρξ ἐστίν, καὶ τὸ γεγεννημένον ἐκ τοῦ πνεύματος πνεῦμά ἐστιν. **7** μὴ θαυμάσης ὅτι εἰπὼν σοι· δεῖ ὑμᾶς γεννηθῆναι ἄνωθεν. **8** τὸ πνεῦμα ὅπου θέλει πνεῖ καὶ τὴν φωνὴν αὐτοῦ ἀκούεις, ἀλλ' οὐκ οἶδας πόθεν ἔρχεται καὶ ποῦ ὑπάγει· οὕτως ἐστὶν πᾶς ὁ γεγεννημένος ἐκ τοῦ πνεύματος. **9** Ἀπεκρίθη Νικόδημος καὶ εἶπεν αὐτῷ· πῶς δύναται ταῦτα γενέσθαι; **10** ἀπεκρίθη Ἰησοῦς καὶ εἶπεν αὐτῷ· σὺ εἶ ὁ διδάσκαλος τοῦ Ἰσραὴλ καὶ ταῦτα οὐ γινώσκεις; **11** ἀμὴν ἀμὴν λέγω σοι ὅτι ὃ οἶδαμεν λαλοῦμεν καὶ ὃ ἐωράκαμεν μαρτυροῦμεν, καὶ τὴν μαρτυρίαν ἡμῶν οὐ λαμβάνετε. **12** εἰ τὰ ἐπίγεια εἶπον ὑμῖν καὶ οὐ πιστεύετε, πῶς ἐὰν εἴπω ὑμῖν τὰ ἐπουράνια πιστεύσετε; **13** καὶ οὐδεὶς ἀναβέβηκεν εἰς τὸν οὐρανὸν εἰ μὴ ὁ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ καταβάς, ὁ υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου. **14** Καὶ καθὼς Μωϋσῆς ὕψωσεν τὸν ὄφιν ἐν τῇ ἐρήμῳ, οὕτως ὑψωθῆναι δεῖ τὸν υἱὸν τοῦ ἀνθρώπου, **15** ἵνα πᾶς ὁ πιστεύων ἐν αὐτῷ ἔχῃ ζωὴν αἰώνιον. **16** οὕτως γὰρ ἠγάπησεν ὁ θεὸς τὸν κόσμον, ὥστε τὸν υἱὸν τὸν μονογενῆ ἔδωκεν, ἵνα πᾶς ὁ πιστεύων εἰς αὐτὸν μὴ ἀπόληται ἀλλ' ἔχῃ ζωὴν αἰώνιον. **17** οὐ γὰρ ἀπέστειλεν ὁ θεὸς τὸν υἱὸν εἰς τὸν κόσμον ἵνα κρίνῃ τὸν κόσμον, ἀλλ' ἵνα

Ez 36,25-27 1K 6,11;  
12,13 Tt 3,5!

1,13 R 8,5-9

8,14; 14,17 Eccl 11,5 Sir  
16,21

L 1,34

R 2,20s

32· 5,19; 8,26.38.40;  
15,15 1J 1,1-3· L 22,67!  
| Sap 9,16 1K 15,40!

| 6,62 Prv 30,4 E 4,9s·  
20,17 Bar 3,29 4Esr 4,8  
31 Sap 18,15s· 1,51!

Nu 21,8s

8,28; 12,32.34 Is 52,13

36 JosAs 8,10  
R 5,8· 18; 1,14.18 1J 4,9  
cf H 11,17! R 8,32  
5,24!

| 8,15; 12,47 L 9,56app·  
10,36! G 4,4

4' 2 1 3 4 P<sup>66</sup> j | 1 3 4 2 K • 5 T o B L N f<sup>13</sup> 33. 1424 | 'renatus fuerit lat; Or<sup>lat</sup> | '(3)  
ιδειν K\* aur bo<sup>ms</sup> | 'των ουρανων K\* e • 8 T (5) του υδατος και K it sy<sup>s.c</sup>  
• 12 Γ πιστευετε P<sup>75</sup> 050. 083. 579. / 2211 aur ff<sup>2</sup> l vg<sup>mss</sup> bo<sup>pt</sup> • 13 T o ων εν τω ουρανω  
A<sup>c</sup> (- ο ων A\*) K N Γ Δ Θ Ψ 050 f<sup>1.13</sup> 565. 579. 700. 892. 1424. / 844. / 2211 M latt  
sy<sup>c.p.h</sup> bo<sup>pt</sup>; Epiph<sup>pt</sup> | txt P<sup>66.75</sup> K B L T W<sup>s</sup> 083. 086. 33. 1241 co; Eus Epiph<sup>pt</sup>  
• 15 επ αυτω P<sup>66</sup> L | εις (επ A) αυτον P<sup>63vid</sup> K A K N Γ Δ Θ Ψ 086 f<sup>1.13</sup> 33. 565. 700.  
892. 1241. 1424. / 844. / 2211<sup>2</sup> M | αυτω 579 | txt P<sup>75</sup> B T W<sup>s</sup> 083. / 2211<sup>1</sup> aur c l r<sup>l</sup>  
vg<sup>st.ww</sup> | T (16) μη αποληται αλλ P<sup>63</sup> A K N Γ Δ Θ Ψ f<sup>13</sup> 579. 700. 892. 1241. 1424. / 844.  
/ 2211<sup>1</sup> M lat sy<sup>s.p.h</sup> bo<sup>ms</sup> | txt P<sup>36.66.75</sup> K B L T W<sup>s</sup> 083. 086 f<sup>1</sup> 33. 565. / 2211<sup>2</sup> a f<sup>c</sup> sy<sup>c</sup> co  
• 16 T αυτου P<sup>63</sup> K<sup>2</sup> A K L N T Γ Δ Θ Ψ 083. 086 f<sup>1.13</sup> 33. 565. 579. 700. 892. 1241. 1424.  
/ 2211 M latt sy; Did | txt P<sup>66.75</sup> K\* B W<sup>s</sup> • 17 T αυτου P<sup>63</sup> A K N Γ Δ Ψ 086 f<sup>13</sup> 33. 579.  
700. 892. 1241. 1424. / 2211 M latt sy sa<sup>mss</sup> ly bo | αυτον Θ | txt P<sup>66.75</sup> K B L T W<sup>s</sup> 083  
f<sup>1</sup> 565 sa<sup>ms</sup>

5,34; 10,9 L 19,10 Mc  
2,17p | Mc 16,16·36;  
5,24·Jub 37,17  
16! 12,48

1,4s.9-11

2Bar 18,2

7,7 Kol 1,21

Job 24,13-17

E 5,13 Sap 2,14 |

Tob 4,6 ⑧ 1J1,6

σωθῇ ὁ κόσμος δι' αὐτοῦ. **18** ὁ πιστεύων εἰς αὐτὸν οὐ κρίνεται· ὁ ὁδὲ μὴ πιστεύων ἤδη κέκριται, ὅτι μὴ πεπίστευκεν εἰς τὸ ὄνομα τοῦ μονογενοῦς υἱοῦ τοῦ θεοῦ.

**19** αὕτη δέ ἐστιν ἡ κρίσις ὅτι ὁ φῶς ἐλήλυθεν εἰς τὸν κόσμον καὶ ἡγάπησαν οἱ ἄνθρωποι μᾶλλον τὸ σκότος ἢ τὸ φῶς· ἦν γὰρ ἡ αὐτῶν πονηρὰ τὰ ἔργα. **20** πᾶς γὰρ ὁ φαῦλα πράσσων μισεῖ τὸ φῶς καὶ οὐκ ἔρχεται πρὸς τὸ φῶς, ἵνα μὴ ἐλεγχθῇ τὰ ἔργα αὐτοῦ. **21** ὁ δὲ ποιῶν τὴν ἀλήθειαν ἔρχεται πρὸς τὸ φῶς, ἵνα φανερωθῇ αὐτοῦ τὰ ἔργα ὅτι ἐν θεῷ ἐστιν εἰργασμένα.

**22** Μετὰ ταῦτα ἦλθεν ὁ Ἰησοῦς καὶ οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ εἰς τὴν Ἰουδαίαν γῆν καὶ ἐκεῖ διέτριβεν μετ' αὐτῶν καὶ ἐβάπτιζεν.

**23** Ἦν δὲ καὶ ὁ Ἰωάννης βαπτίζων ἐν Αἰνῶν ἐγγὺς τοῦ Σαλείμ, ὅτι ὕδατα πολλὰ ἦν ἐκεῖ, καὶ παρεγίνοντο καὶ ἐβαπτίζοντο. **24** οὐπω γὰρ ἦν βεβλημένος εἰς τὴν φυλακὴν ὁ Ἰωάννης.

**25** Ἐγένετο οὖν ζήτησις ἐκ τῶν μαθητῶν Ἰωάννου μετὰ Ἰουδαίου περὶ καθαρισμοῦ. **26** καὶ ἦλθον πρὸς τὸν Ἰωάννην καὶ εἶπαν αὐτῷ· ῥαββί, ὃς ἦν μετὰ σοῦ πέραν τοῦ Ἰορδάνου, ᾧ σὺ μεμαρτύρηκας, ἴδε οὗτος βαπτίζει καὶ πάντες ἔρχονται πρὸς αὐτόν.

**27** Ἀπεκρίθη Ἰωάννης καὶ εἶπεν· οὐ δύναται ἄνθρωπος λαμβάνειν (οὐδὲ ἐν' ἐὰν μὴ ἡ δεδομένον αὐτῷ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ. **28** αὐτοὶ ὑμεῖς ὁμοὶ μαρτυρεῖτε ὅτι εἶπον ἡμεῖς [ὅτι] οὐκ εἰμι ὁ χριστός, ἀλλ' ὅτι ἀπεσταλμένος εἰμι ἔμπροσθεν ἐκείνου. **29** ὁ

4,3; 7,3; 11,7

26; 4,1

Mc 1,14p

25  
III

26  
IV

4  
27  
X

Mc 7,1-23p L 11,37ss |

L 7,18

1,26-34·22!

1K 4,7 H 5,4 PsSal 5,3s

19,11 Mt 28,18!

1,20!

1,30 Mc 1,2!

28  
I

29  
X

**18** ° X B W<sup>s</sup> ff<sup>2</sup> l sa<sup>mss</sup> bo<sup>mss</sup> | txt p<sup>36.63.66.75</sup> A K L N Γ Δ Θ Ψ 083. 086 f<sup>1.13</sup> 33. 565. 579. 700. 892. 1241. 1424. / 2211 M lat sy<sup>h</sup> sa<sup>mss</sup> ly bo; Ir<sup>lat</sup> • **19** ° p<sup>66\*</sup> | ° 1 4 2 3 5 6 p<sup>66</sup> f<sup>1</sup> 565 | 2 3 1 5 6 4 X | ° 1 Γ Δ 700. 1424 M • **20** 'αυτου τα εργα p<sup>75</sup> A K W<sup>s</sup> 1. 565. 892\*. 1424 | τα εργα αυτου οτι πονηρα εστιν (εισιν Ψ) p<sup>66</sup> N Θ Ψ f<sup>13</sup> 33. (L 892c. 1241) r<sup>1</sup> co | txt X B Γ Δ 050. 083. 086. 579. 700. / 2211 M lat; Ir<sup>lat</sup> • **23** ° p<sup>75</sup> X A K L Γ Δ Ψ 086 f<sup>1.13</sup> 33. 565. 579. 700. 892. 1241. 1424 M | txt p<sup>66</sup> B N W<sup>s</sup> Θ • **24** ° X\* B 070 | txt p<sup>66.75</sup> X<sup>2</sup> A K L N W<sup>s</sup> Γ Δ Θ Ψ 086 f<sup>1.13</sup> 33. 565. 579. 700. 892. 1241. 1424 M • **25** Γ Ιουδαιων p<sup>66</sup> X\* Θ f<sup>1.13</sup> 565 latt sy<sup>c</sup> sa<sup>mss</sup> bo; Or • **27** 'ουδεν X A D K N W<sup>s</sup> Γ Δ Ψ 083 f<sup>1</sup> 565. 579. 700. 892. 1241. 1424 M sy<sup>s.c</sup> | αφ εαυτου ουδεν L Θ 086 f<sup>13</sup> 33 c (e) sy<sup>p.h</sup> | txt p<sup>66.75</sup> B • **28** ° p<sup>75</sup> X Γ 1424 pm aur sa<sup>mss</sup> | Γ εγω· B | υμιν· f<sup>13</sup> a | – X A D K L N W<sup>s</sup> Γ Δ Θ Ψ 086 f<sup>1</sup> 33. 565. 579. 892. 1241. 1424 M lat | txt p<sup>66.75</sup> 700 aur f ff<sup>2</sup> l | ° 1 D W<sup>s</sup> 086 a aur ff<sup>2</sup> j l sy<sup>c</sup>